INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: X	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 9	**Topic: कर चले हम फ़िदा**	Note: Pl. file in portfolio

कविता - कर चले हम फ़िदा – श्री कैफ़ी आज़मी (1919-2002)

प्रश्न 1. क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

उत्तरः हाँ, इस गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। यह गीत सन् 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। चीन ने तिब्बत की ओर से भारत पर आक्रमण किया। इस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आक्रमण का सामना किया था।

प्रश्न 2. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया', इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तरः इस पंक्ति में हिमालय हमारे देश की ऊँची आन, वान, शान और स्वाभिमान का प्रतीक है। भारतीय सैनिकों ने अपने सिर तो कटा लिए पर देश के सम्मान को बचाए रखा। भारत-चीन युद्ध हिमालय की चोटियों पर ही लड़ा गया था। उस बर्फीले वातावरण में भी हमारे सैनिकों ने बहादुरी की मिसाल स्थापित की।

प्रश्न 3. इस गीत में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है?

उत्तरः इस गीत में धरती को दुलहन इसलिए कहा गया है कि धरती रूपी दुलहन की माँग भारतीय सैनिकों के रक्त रूपी सिंदूर से भरी हुई थी। धरती को हड़पने के लिए ही यह लड़ाई हो रही थी। चीन इसे अपनी बता रहा था जबकि धरती भारत की थी। इस दुलहन को अपनी बनाने की होड़ लगी थी।

प्रश्न 4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?

उत्तरः गीत में शब्दों और संगीत का सुंदर मिश्रण होता है। उनमें सुर, लय और ताल से एक ऐसा आकर्षण आ जाता है जिसके कारण गीत सदा-सदा के लिए याद रह जाते हैं। यह गीत भी बलिदान भावना की मार्मिकता से ओतप्रोत है। इसमें लय और संगीत का भी अद्भुत मेल है। इस कारण गीत भुलाए नहीं भूलते, वे जीवन भर याद रह जाते हैं।

प्रश्न 5. कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

उत्तरः कवि ने 'साथियो' शब्द का संबोधन चीन के युद्ध में सीमाओं पर लड़ने वाले सैनिकों एवं देश के युवाओं के लिए किया है।

प्रश्न 6. कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

उत्तरः कवि ने चीनी हमले का सामना करने वाले सैनिकों के काफिले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है, प्रेरणा दी है।

प्रश्न 7. इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है?

उत्तरः **'सर पर कफ़न बाँधना'** यह एक मुहावरा है। जिसका अर्थ है - प्राण देने के लिए तैयार रहना । इस गीत में यह भारतीय सैनिकों की देश पर मर मिटने की भावना की ओर संकेत करता है।

प्रश्न 8. 'कर चले हम फ़िदा' का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तरः सन् 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखे इस गीत में सैनिक कहते हैं कि वे तो देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देकर इस संसार से जा रहे हैं। वे नवयुवकों से कहते हैं कि देश पर अपने प्राणों को न्योच्छावर करने का अवसर कभी-कभी ही आता है। अतः उनको अपनी जवानी को देश की रक्षा में लगा देना चाहिए। सैनिकों की इच्छा है कि उनके शहीद होने के बाद भी देश पर बलिदान होने का सिलसिला निरंतर चलते रहना चाहिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए:

साँस थमती गई, नव्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया।

उत्तरः चीनी आक्रमण के समय भारतीय सैनिकों पर दुश्मन ने आक्रमण किया तो उन्होंने मरते दम तक उनका मुकाबला किया है। जब उनकी साँसें रुकती जा रही थीं और नाड़ी का चलना बंद होता जा रहा था तब भी उन्होंने दुश्मनों को पीछे धकेलने का कार्य जारी रखा।

प्रश्न 10. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए:

खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई

उत्तरः सैनिक देशवासियों से कहते हैं कि अब उन्हें ही देश की रक्षा करनी है। हमारे देश की ओर यदि कोई दुश्मन रूपी रावण आगे बढ़े तो तुम्हें उसे रोकने के लिए अपने खून से लक्ष्मण रेखा खींचनी होगी। अपने देश की ओर बढ़ने वाले प्रत्येक हाथ को तोड़ देना होगा।

प्रश्न 11. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए:

छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो।

उत्तरः हमारी भारत भूमि सीता के दामन के समान पवित्र है। यदि कोई दुश्मन उसे अपवित्र करने का प्रयास करे तो तुम्हें उस दुश्मन को मारना ही होगा। सैनिक देशवासियों से कहते हैं कि इस देश के राम और लक्ष्मण तुम ही हो। तुम्हें ही अब इस देश की रक्षा करनी है।

प्रश्न - निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) जमीन पर खून से लकीर खींचने का क्या अर्थ है?

(i) दुश्मनों के लिए सीमा
(ii) मिट्टी में मिल जाना
(iii) भूमि खून से सींचना
(iv) उपरोक्त सभी

(ख) हमारी भूमि की पवित्रता की तुलना किसकी पवित्रता से की गई है?

(i) सीता की पवित्रता से
(ii) चंदन से
(iii) सुगंधित दृश्य से
(iv) गंगा जल से

(ग) इस काव्यांश के रचयिता कौन हैं?

(i) कैफी आज़मी
(ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) रामधारी सिंह दिनकर
(iv) निराला

(घ) दुश्मनों के लिए कवि ने क्या उपमा दी है?

(i) रावण (ii) साकाल (iii) कायर (iv) उपरोक्त सभी

(ङ) हमें अपनी भूमि को अपवित्र करने वालों के साथ क्या करना चाहिए?

(i) नष्ट कर देना चाहिए
(ii) संभल कर गिरफ्तार कर लेना चाहिए
(iii) चेतावनी जारी करनी चाहिए
(iv) धरती पुनः शुद्ध कर लेनी चाहिए